નવા પાઠ્યપુસ્તકના અભ્યાસક્રમ આધારિત
દરેક વિભાગની સમજૂતી સાથેનું જવાબી સ્ટડી મટીરિઅલ...

ધોરણ
8

પ્રથમ સત્ર / દ્વિતીય સત્ર

અલંકાર સ્ટડી મટીરિઅલ

Best Reference Material

Alankar® Publication

પ્રસ્તાવના...

પ્રવૃત્તિલક્ષી શિક્ષણ પ્રક્રિયા મુજબ જે તે એકમના અધ્યયન-અધ્યાપન દરમિયાન ચર્ચા અને ચિંતન થાય છે. સમગ્ર એકમનું મૂલ્યાંકન સરળતાથી થઈ શકે તે માટે મૂલ્યાંકન સામગ્રી હાથવગી હોય તો વિષયવસ્તુનાં તમામ પાસાંઓનું મૂલ્યાંકન સરળ બની રહે અને અધ્યાપન કાર્ય દરમ્યાન તમામ મુદ્દાઓનું ઝીણવટપૂર્વક અધ્યયન કાર્ય થઈ શકે તેવા હેતુથી "અલંકાર સ્ટડી મટીરિઅલ" બનાવવામાં આવ્યું છે.

વિદ્યાર્થી-વાલી અને શિક્ષકને મૂલ્યાંકન સ્વરૂપે સાંકળરૂપ જોડવાનું કાર્ય આ પુસ્તક દ્વારા કર્યું છે. મૂલ્યાંકન પ્રવૃત્તિઓના જવાબો મેળવવા માટે વિદ્યાર્થીને માર્ગદર્શન પૂરું પાડવા પ્રયત્ન થયો છે. તમામ એકમના બધા જ શૈક્ષણિક મુદ્દાઓની વિસ્તૃત સ્વરૂપે અહીં મૂલ્યાંકન પ્રવૃત્તિઓ આપી છે જે એકમ સમજવામાં દરેક સમયનો સાથી બની રહેશે.

અમને વિશ્વાસ છે કે દરેક એકમ શીખવા -સમજવામાં આ પુસ્તક ઉપયોગી બની રહેશે. આપના અભિપ્રાયોનું સ્વાગત કરીએ છીએ.

સ્ટડી મટીરિઅલ બનાવતા ખૂબ જ કાળજી રાખવામાં આવી છે. આમ છતાં, માનવસહજ સરતચૂક કે ટેક્નોલૉજીની ક્ષતિને કારણે વિગતદોષ, માહિતીદોષ કે અન્ય કોઈ વિસંગતતા જણાય તો સત્વરે ધ્યાન દોરવા વિનંતી. આપનાં યોગ્ય સૂચનોને તજ્જ્ઞોના માર્ગદર્શન બાદ સુધારી લેવામાં આવશે.

- પ્રકાશક

અનુક્રમણિકા

ક્રમ	પાઠ-કાવ્યનું નામ		પાના નં.
1	तेरी है जमीं	(प्रार्थनागीत)	3
2	ईदगाह	(कहानी)	8
3	अंतरिक्ष परी सुनीता विलियम्स	(जीवनी)	14
4	उठो, धरा के अमर सपूतों	(संघगान)	20
5	सवाल बालमन के, जवाब डॉ. कलाम के	(साक्षात्कार)	25
*	पुनरावर्तन-हेतु एकम कसौटी-1		32
6	भरत	(एकांकी)	35
7	सोच अपनी - अपनी	(वाद-विवाद)	41
8	माँ ! कह एक कहानी !	(कविता)	46
9	ममता	(कहानी)	51
*	पुनरावर्तन-हेतु एकम कसौटी-2		59
*	नमूनारुप आदर्श प्रश्नपत्र		62
*	निबंध-लेखन		65

No part of this publication can be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means-electronic, mechanical, phototyping, recording or otherwise without the prior written permission of the publishers. All right of export of this book is reserved with the publisher. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication will be liabel to legal prosecution and civil claimes for damages.

2. ईदगाह

• कहानी •

प्रेमचंद

ईदगाह प्रेमचंद की अमर कहानी है । प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने हामिद नामके एक छोटे बालक की कथा कही है । हामिद अपने मित्रों के साथ ईदगाह जाना चाहता है । प्रस्तुत कहानी में हामिद के त्याग की बात से प्रेमचंद ने छात्रों को त्याग भावना की सीख दी है ।

: कहानी का भावार्थ :

हामिद के माता-पिता की मृत्यु हो गई थी । हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना के साथ रहता था । रमजान ईद के दिन हामिद अपने मित्रों के साथ ईदगाह के मेले में जाना चाहता है । अमीना पहले तो उसे जाने नही देना चाहती है, बाद में अमीना हामिद को तीन पैसे देकर ईदगाह जाने देती है ।

हामिद अपने मित्रों के साथ ईदगाह जाने के लिए अपने गाँव से निकलता है । रास्ते में हामिद कई बड़ी बड़ी ईमारते देखता है । ईदगाह पहुँचकर सब लोग नमाज़ पढते है । नमाज पढ़ने के बाद सब लोग मेले में घुमने जाते है । हामिद के सभी मित्र मिठाईयाँ खाते है, शरबत पिते है, झुले पर बैठते है और खिलौने भी खरीदते है पर हामिद उन सब को दूर से ही देखता रहता है । हामिद के पास तीन पैसे थे । उसने उन पैसो से अपनी दादी अमीना के लिए एक चिमटा खरीदा, क्यूंकि हामिद जानता था की तवे से रोटियाँ उतारते समय उसकी दादी के हाथ जल जाते थे ।

हामिद के चिमटे से उसके मित्र भी बहुत प्रभावित हुए पर अब उन सब के पास चिमटा खरीदने के लिए पैसे नही बचे थे । गाँव के सभी लोगों के साथ हामिद भी गाँव में वापस आ गया ।

हामिद ने घर जाकर अपनी दादी को जब चिमटा दिखाया तो पहेले तो उसकी दादी को बहुत क्रोध आ गया की कैसा ना समझ लड़का है । दिन भर भूखा ईदगाह चलकर गया वहा इसने कुछ न खाया, न पीया और लाया भी तो क्या यह चिमटा ? हामिद ने चिमटा लाने का कारण जब अमीना को बताया तो अमीना बहुत प्रसन्न हो गई और वह हामिद को दुआएँ देने लगी ।

: शब्दार्थ :

ईदगाह - ईद की नमाज़ पढ़ने की जगह, **रमजान** - मुसलमानी वर्ष का एक पवित्र महीना, **रोजा** - उपवास, **मनोहर** - सुंदर, **सुहावना** - रमणीय, **प्रभात** - प्रातःकाल, **सानी** - चारे की सामग्री जो पानी में सानकर पशुओं को खिलाई जाती है । **कुबेर** - धन के देवता, **अनगिनत** - जिसे गिना न जा सके, **सूरत** - चहेरा, **हैजा** - कोलेरा, **निगोड़ी** - दृष्ट, **छाला** - फफोला, **बटुआ** - पैसे रखने की छोटी थैली, **बिसात** - हैसियत, **कोष** - खजाना, **कतार** - पंक्ति, **भिश्ती** - मश्क में पानी ढोनेवाला, **कवायत** - परेड, **मशक** - चमड़े का थैला जिसमें पानी भरा जाता है । **पृथक** - अलग, **तवा** - रोटी बनाने का लोहे का एक गोल साधन, **सबील** - जहा लोगो को पानी, शर्बत पिलाया जाता है, **दुआएँ** - आशीर्वाद, **धुडकी** - डाँट, **चोला** - शरीर, **सुरलोक** - स्वर्ग, **मातम** - शोक, **अस्थियाँ** - हड्डियाँ, **दामन** - आँचल, **जब्त** - धीरज, धैर्य

: मुहावरे :

- **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :**

(1) **दिल कचोटना :** कुछ न पाने पर दुःख होना ।

वाक्य : मिठाई न मिलने पर बच्चों का दिल कचोटने लगा ।

(2) **बेड़ा पार लगाना :** किनारे ले जाना, संकट से बचना ।

वाक्य : सचीन ने आज की मैच में भारतीय क्रिकेट टीम का बेडा पार लगाया ।

(3) **गले मिलना :** प्रेम से भेटना ।

वाक्य : भरत राम को गले मिले ।

(4) **दिल बैठ जाना :** हताश या निराश होना ।

वाक्य : परीक्षा में असफल होने पर छात्र का दिल बैठ गया ।

(5) **बाल बाँका न होना :** जरा भी नुकसान न होना ।

वाक्य : हामिद के चिमटे का कोई बाल भी बाँका न कर सका ।

(6) **सूरलोक सिधारना :** मर जाना ।

वाक्य : हमारे देश को आजादी दिलाने के लिए कई लोग सूरलोक सिधार गए ।

(7) **छाती पीट लेना :** दुःख प्रकट करना ।

वाक्य : बेटे की मोत की खबर सुनकर माँ ने छाती पीट ली ।

(8) **दिल चीरना :** बहुत दुःख पहुँचना ।

वाक्य : बेटे की मोत की खबर ने माँ का दिल चीर दिया ।

अभ्यास

(1) हामिद ने चिमटा ही क्यों खरीदा ?

उत्तर : हामिद ने जब लोहे की दुकान पर चिमटा देखा तब उसे याद आया की जब दादी तवे से रोटियाँ उतारती है तब उनकी ऊँगलियाँ जल जाती हैं, यदि मैं चिमटा ले जाऊँगा तो घर में एक काम की चीज आ जाएँगी । मिठाइयाँ और खिलौनों से तो सिर्फ पैसो की बरबादी ही होगी । यही बात सोचकर हामिद ने चिमटा खरीदा ।

(2) चिमटा खरीदने के लिए हामिद कौन से कारण बताता है ?

उत्तर : हामिद ने बड़ी शान के साथ अपने दोस्तों को चिमटा दिखाते हुए कहा कि चिमटा सबसे अच्छा खिलौना है । इसे कंधे पर रख दो तो बंदूक बन जाता है, चिमटे से मंजिरे का काम भी ले सकते है । चिमटा आग, हवा, आँधी और तूफान में एक जैसा रहता है, ये सब उसका कुछ नही बिगाड़ सकते । हामिद बताता है कि यदी वो अपना एक चिमटा जमा दे तो सभी के खिलौने तूट जाएँगे पर उसके चिमटे को कुछ नहीं होगा । इस प्रकार हामिद चिमटा खरीदने के कई कारण बताता है ।

(3) दादी अमीना का क्रोध स्नेह में कैसे बदल गया ?

उत्तर : अमीना को जब पता चला की हामिद मेले में से एक चिमटा लाया है, तब अमीना को हामिद की नासमझी पर बहुत क्रोध आया । हामिद ने चिमटा लाने का कारण बताते हुए अमीना से जब कहा की तवे से रोटियाँ उतारते समय आपकी ऊँगलियाँ जल जाती थी, इसलिए मैं आपके लिए यह चिमटा लाया हुँ।'' हामिद की यह बात सुनकर अमीना का क्रोध स्नेह में बदल गया ।

(4) अब आप हामिद के चिमटे की तरह रुमाल के विविध प्रयोग बताइए ?

उत्तर : रुमाल का उपयोग हाथ-मूँह और नाक को साफ करने के लिए किया जाता है । इसके अलावा रुमाल का प्रयोग जादू के खेलों में भी होता है । तैज धूप के समय रुमाल का प्रयोग सीर ढँकने के लिए किया जाता है । आपातकालिन परिस्थिति में रुमाल का उपयोग खून को बहने से रोकने के लिए भी किया जाता है ।

2. इस कहानी का शीर्षक 'ईदगाह' ही क्यों रखा गया है ? इसके अलावा आप कौन-सा शीर्षक देना चाहेंगे ?

उत्तर : इस कहानी का शीर्षक 'ईदगाह' इसलिए रखा गया है की कहानी के प्रारंभ से लेकर अंत तक ईदगाह के बारे में ही बात की गई है । ईदगाह के मेले में से ही हामिद अपनी दादी के लिए चिमटा लाता है । इसके अलावा मैं इस कहानी को 'हामिद' और 'चिमटा' जैसे शीर्षक देना चाहुँगा ।

3. निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारे इतिहास और पुराणों में परोपकार के अनेक उदाहरण मिलते हैं । दधीचि ने मानव कल्याण तथा असुरों के संहार के लिए अपना शरीर त्याग दिया । राजा शिबि ने पंडूक के प्राण की रक्षा के लिए अंग दान किए । महर्षि दयानंद ने विष मिलाकर प्राण लेनेवाले अपने रसोइए जगन्नाथ के प्राणों की रक्षा धन देकर की । वर्तमान में भी अनेक सामाजिक संस्थाएँ परोपकार के लिए अपना धन और समय भारतीय समाज को दे रही हैं । भारतीय समाज में युगों से परोपकार की सुरसरि प्रवाहित होती आई है ।

यहाँ ऋषि-मुनियोने सीख दी है कि, निराश्रितों को आसरा दो । दीन-दुखियों और वृद्धों को शारीरिक और आर्थिक मदद करो । भूखों को भोजन करवाओ। विद्वान हो तो विद्या का प्रचार करके समाज का उद्धार करो । यहाँ सदा सबकी भलाई में ही अपनी भलाई मानी जाती रही है । संसार के सभी धर्मो का मूल परोपकार है । किसी भी संत-महात्मा ने इसके बिना मनुष्य जीवन को सार्थक नहीं माना । लोग परोपकार के लिए ही औषधालय, गौशालाएँ और धर्मशालाएँ बनवाते हैं । सभी अपनी सामर्थ्य और शक्ति के अनुसार परोपकार करते रहें तो समाज एवं देश की उन्नति होती रहेगी तथा 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना फैलेगी ।

प्रश्नों :

(1) ऐतिहासिक ग्रंथों में परोपकार के कौन-कौन से उदाहरण मिलते हैं ?

उत्तर : ऐतिहासिक ग्रंथो में परोपकार के बहुत सारे उदाहरण मिलते हैं : (1) दधीची ने मानव कल्याण तथा असुरों के संहार के लिए अपना शरीर त्याग दिया (2) राजा शिबि ने पंडूक के प्राण की रक्षा के लिए अंग दान दिए । (3) महर्षि दयानंद ने विष मिलाकर प्राण लेनेवाले अपने रसोइए जगन्नाथ के प्राणों की रक्षा धन देकर की थी ।

(2) ऋषि-मुनियों ने हमे क्या सीख दी है ?

उत्तर : ऋषि-मुनियों ने हमे सीख दी है कि निराश्रितों को आसरा दो । दीन-दुखियों और वृद्धों को शारीरिक और आर्थिक मदद करो । भूखों को भोजन करवाओं । विद्वान हो तो विद्या का प्रचार कर समाज का उद्धार करो ।

(3) देश एवं समाज की उन्नति किस प्रकार होगी ?

उत्तर : समाज के सभी लोग अपने सामर्थ्य और शक्ति के अनुसार परोपकार करते रहें तो समाज एवं देश की उन्नति होगी ।

(4) विलोम शब्द लिखिए : (आश्रित, अवनति)

उत्तर : आश्रित × **निराश्रित**, अवनति × **उन्नति**

(5) परिच्छेद के आधार पर अपने साथियों से पूछने के लिए तीन प्रश्न बनाओ ।

1) हमारे इतिहास और पुराणों में किस के उदाहरण हैं ।
2) दधीचि ने मानव कल्याण के लिए क्या किया?
3) संसार के सभी धर्मो का मूल क्या है ?

(6) इस परिच्छेदका उचित शीर्षक दीजिए ।

उत्तर : इस परिच्छेदका उचित शीर्षक है : 'परोपकार'

4. तुम भी हामिद की तरह किसी न किसी मेले में गए होंगे, वहाँ तुमने क्या-क्या खरीदा और क्यों ?

उत्तर : मैं हमारे गाँव में लगे एक मेले में गया था । उस मेले में से मेंने अपने लिए एक खिलौना और एक जादु की किताब खरीदी । क्यूंकि मुझे जादू बहुत पसंद है । मेले में से मैंने अपनी छोटी बहन के लिए एक गुड़िया भी खरीदी । मेरी छोटी बहन को गुडियों से खेलना अच्छा लगता है ।

5. यदि तुम्हें मेले से अपनी दादी के लिए कुछ खरीदना हो तो क्या खरीदोगे और क्यों ?

उत्तर : यदि मुझे मेले से अपनी दादी के लिए कुछ खरीदना हो तो मैं उनके लिऐ जपमाला खरीदुँगा। दादी पूरा दिन भगवान का नाम लिया करती है, यदि उनके पास जपमाला होगी तो वो पूरा दिन राम नाम का जाप कर सकेंगी । इसलिए मैं उनके लिए जपमाला ही खरीदुँगा ।

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(1) रोजे के दिन मुसलमान क्या करते हैं ?

उत्तर : रोजे के दिन मुसलमान सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक कुछ भी खाते-पीते नहीं है । 'रोजा' मुसलमानों का धार्मिक त्यौहार है ।

(2) रमजान ईद के दिन मुसलमान लोग कहाँ

દરેક એકમની સમજૂતી અને મૂલ્યાંકનલક્ષી પ્રવૃત્તિઓનું સંપૂર્ણ માર્ગદર્શન

પ્રથમ સત્ર
દ્વિતીય સત્ર

અલંકાર સ્ટડી મટીરિઅલ

ધોરણ 2 થી 8 (બધા જ વિષયો)

વર્ગખંડમાં જવાબો લખવા-લખાવવા, હવે સમય બગાડવાની જરૂર નથી.

સ્ટડી મટીરિઅલ અવશ્ય વસાવો.

Best Reference Material

D-08

F-23

H-26

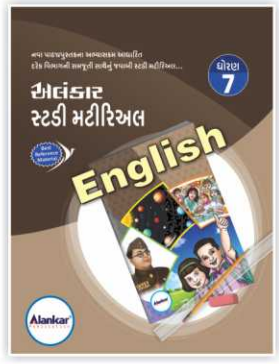

I-27

E-24

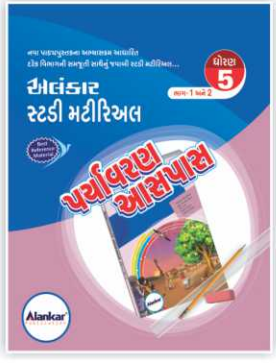

G-24

H-32

J-30

વિશેષતાઓ

- P.T.C., D.EL.Ed. અને B.Ed. ની પદ્ધતિથી તૈયાર કરેલું મટીરિઅલ.
- દરેક વિષયના દરેક એકમમાં સરળ શરૂઆતથી લઈ વિસ્તૃત પ્રશ્નો-જવાબો એક જ પુસ્તકમાં.
- દરેક એકમના અભ્યાસ-સ્વાધ્યાયના તમામ પ્રશ્નોના જવાબ.
- વ્યાકરણ અને નિબંધોનો સમાવેશ.
- પ્રયોગપોથી અને નકશાપૂર્તિના જવાબો.
- પુનરાવર્તનલક્ષી કસોટીઓ અને આદર્શ પ્રશ્નપત્ર.
- ગુણવત્તાયુક્ત કાગળ ક્વૉલિટી અને આકર્ષક પ્રિન્ટિંગ.

કુરિયર દ્વારા બુક્સ ઓર્ડર કરવા માટે
સંપર્ક નં. : 9558047575 / 9726437575

Alankar® Publication